एक्सरे में दिखी सांप की टांगें

सांप के एक दुर्लभ जीवाश्म के एक्सरे से पता चलता है कि संभवतः सांपों का विकास थलचर छिपकलियों से हुआ है। एक्सरे चित्रों में इस सर्प जीवाश्म की टांग स्पष्ट दिखती है। जैव विकास के संदर्भ में एक प्रमुख बहस यह रही है कि सांपों का विकास समुद्री छिपकलियों से हुआ है या थलचर छिपकलियों से। बहस का मुद्दा यह है कि यदि समुद्री छिपकलियों से सर्पों का विकास हुआ है तो पहले इन छिपकलियों की टांगें नदारद हुई होंगी और उसके बाद इन्होंने ज़मीन पर कदम रखे होंगे।

फ्रांस के राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय की एलेक्ज़ेंड्रा होसाये और उनके साथियों ने एक सर्प *यूपोडोफिस डेसकुएंसी* के एक जीवाश्म का अध्ययन किया है। यह जीवाश्म करीब 9.5 करोड़ वर्ष पुराना है और दस वर्ष पहले लेबनान में खोजा गया था। यह छिपकली और सांप के बीच की एक अवस्था का प्रतिनिधित्व करता है।

इस जीवाश्म की सतह पर एक टांग तो पहले ही नज़र आ रही थी। जब इसका एक्सरे किया गया तो चट्टान में छिपी दूसरी टांग भी दिखाई दी। यह टांग घुटने से मुड़ी हुई है और इसमें टखने की चार हड्डियां हैं मगर पैर की हड्डियां नदारद हैं। यह संरचना आजकल की थलचर छिपकलियों से मेल खाती है। इससे अनुमान लगता है कि सांपों के पूर्वजों का विकास ज़मीन पर हुआ है। ***(स्रोत फीचर्स)***